PRAJAPITA BRAHMA KUMARIS ISHWARIYA VISHWA VIDYALAYA
(Founded in 1937 By World Almighty Authority Incorporeal Supreme Father God Shiva Through The Medium of Prajapita Brahma)

NAGPUR VISHWA SHANTI SAROVAR Mob. No. 9423173456
Near V.C.A. Stadium Jamtha, Wardha Rd., Nagpur-441108, MAH, INDIA.

जामठा में विश्वशांति सरोवर का उद्घाटन.....
राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी दादी जानकी जी के ने किया शुभारंभ

नागपुर दिनांक २३/०९/२०१८ को ब्रह्माकुमारीज की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकीजी ने जामठा स्थित ब्रह्माकुमारीज् के रिट्रिट एवं ट्रेनिंग सेंटर 'विश्व शांति सरोवर' का उद्घाटन किया। उर्जा मंत्री श्री चंद्रशेखर बावनकुलेजी, ब्रह्माकुमारीज की महाराष्ट्र झोन प्रमुख ब्र.कु. सतोष दीदीजी, अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त ब्रह्माकुमारी उषा दीदीजी, ब्र.कु. कुलदीप दीदीजी, डायरेक्टर–शांती सरोवर, हैदराबाद, ब्रह्माकुमारी रमेश दीदीजी –हिसार, हरीयाणा सबझोन की संचालिका ब्र.कु. रजनी दीदीजी, महापौर श्रीमती नंदा जिचकार, जिला परिषद अध्यक्ष श्रीमती निशा सावरकर, व्यवसायी भ्राता सुशिल अग्रवालजी, ब्रह्माकुमारीज के युवा प्रभाग के मुख्यालय संयोजक, ब्र.कु. आत्मप्रकाशभाई, वरिष्ठ भ्राता ब्र.कु. भरतभाई, सांसद श्री विकास महात्मे, पूर्व सांसद श्री अजय संचेतीजी, विधायक डॉ. श्री मिलिंद माने, विधायक भ्राता परिणय फुके, मनपा स्थायी समिति अध्यक्ष श्री विरेंद्र कुकरेजा, पूर्व विधायक श्री मोहनजी मते मंच पर प्रमुखता से उपस्थित थे। माऊंट आबू से १०८ ब्रह्माकुमार भाई–बहेने पधारे थे। मुख्य व्दार पर स्वागत किया गया। पगडी पहनकर, गुलदस्ता लिए हुए भाई बहने थे। सभी मंचासिन व्यक्तियोने दिप प्रज्वलन किया। दादी जी ने दिवंगत ब्रह्माकुमारी पुष्पारानी दीदीजी, पुर्व विदर्भ उपक्षेत्रिय संचालिका विश्वशांति सरोवर की संकल्पना के लिए याद किया। उन्होंने सभी ब्रह्माकुमार–कुमारी भाई–बहनों एवं समस्त विदर्भवासियों को भव्य विश्वशांति सरोवर के लिए बधाई दी। दादीजीने अपने प्रबोधन की शुरुवात ३ बार ओमशांती शब्द का उच्चारण करके परीसर को गुंजा दिया। १०३ वर्ष के आयु में भी जो खनक थी जो उससे कोई भी मंत्र मुग्ध हुए बिना नही रह सका। सभी को आशीर्वाद दिया कि यह रिट्रीट सेंटर सदा भरपूर रहेंगा। अनेक विंग की सेवा इस स्थान से होगी। दादी जी ने करीब १५००० भाई–बहनों के साथ मिलकर तीन बार ओमशांति की ध्वनी की। ओमशांति की ध्वनि से पूरा विश्वशांति सरोवर गुंज उठा। उन्होंने चांदी का बड़ा कलश यादगार के रुप में विश्वशांति सरोवर को भेंट के रुप दिया। भ्राता सुशिल अग्रवाल जी, सत्येंद्र गुप्ताजी–आर्किटेक्ट, भ्राता डॉ. दिलीप मसेजी–स्ट्रक्चरल कन्सल्टंट, भ्राता शंकर घिमेजी– एम.ई.पी कन्सल्टंट, भ्राता जितेंद्र राहंगडालेजी– इलेक्ट्रीकल कन्सलटंट, भ्राता प्रकाश तळोले–प्रोजेक्ट मॅनेजमेंट कन्सलटंट इन्होंने भी दादीजी को विश्व शांति सरोवर का निर्माण

पुरा होने के प्रतिक के रुप में चांदी का कलष दादीजी को भेट किया। इन्होंने एवं भ्राता अलोक रंजनजी—डायरेक्टर मेट्रो रेल विनामुल्य विश्वशांति सरोवर बनाने के लिए सेवाएं दी। दादी जी ने कहा कि ब्रह्माकुमारी माना ब्रह्मचर्य की धारणा। खुशी जैसी खुराक नही। चिंता ताकि किजिये जो अनहोनी होय। दादी के बोल सुनकर सभी उपस्थित भाई—बहनें खुश हुए।

उर्जा मंत्री श्री चंद्रशेखर बावनकुळे जी ने उर्जा भरते हुए कहा की आध्यत्मिकता की लहर ब्रह्माकुमारी के अलावा कोई कर नही सकता। वह बोले मै हर काम में सहयोग देते रहूंगा। मुझे इतना बड़ा काम देख कर खुशी हो रही है।

ब्रह्माकुमारी संतोष दीदीजी महाराष्ट्र, आंध्रप्रदेश और तेलगांना प्रमुख ने दादीजी के लंबी उमर की कामना की। नागपूर भारत का केंद्र बिंदू होने के कारण यहा से पूरी दुनिया में सेवाए होगी। और संसार के लाखों भाई—बहनों को अध्यात्मिक लाभ होगा।

शिकागो से विश्व हिंदू कॉंग्रेस के कार्यक्रम से सीधे पधारी उषा दीदी अंतरराष्ट्रीय स्पिकर ने कहा कि विदर्भ की धरणी को इतना बड़ा रिट्रीट सेंटर मिला। जितना परिवार बढ़ता है उतनी खुशी बढ़ती है। उषा दीदी ने कहा कि विशेष आत्माओ का सहयोग तो है ही पर सभी के सहयोग की बूंदे नही पडती तब तक सफल नही होता।

मनिषा दीदीजी ने मंच का संचालन किया। आभार प्रदर्शन करते हुए ब्रह्माकुमार प्रेमकाशभाई जी ने भ्राता और सभी को बारंबार धन्यवाद दिया। महाराष्ट्र के सभी जगह से आए हुए भाई—बहनों को विशेष धन्यवाद दिया साथ में भूमिदाता भ्राता सुशील अग्रवालजी का दिल से धन्यवाद दिया, उन्होंने तन—मन—धन से विश्वशांति सरोवर में प्रमुखता से सेवा दी।

आज ही शाम ६.०० बजे राजयोगीनी ब्रह्माकुमारी दादी जानकी जी, मा. भ्राता श्री नितिन गडकरीजी, केंद्रीय परिवहन व जहाजरानी मंत्री और मा. विजय दर्डाजी, चेअरमन लोकमत मीडिया लिमिटेड, मनपा स्थायी समिती के अध्यक्ष भ्राता श्री विरेंद्र कुकरेजा जी, ब्रह्माकुमारी उषा दीदीजी, ब्रह्माकुमारी संतोष दीदीजी और ब्रह्माकुमारी रजनी दीदी की प्रमुख उपस्थिति में पहला आध्यत्मिक स्नेह मिलन कार्यक्रम 'वैश्विक ज्ञानोदय से स्वर्णिम संसार' विषय पर विश्वशांति सरोवर में हो संपन्न हुआ, जिसमे समाज के करीब ५०० गणमान्य अतिविशिष्ट महानुभाव उपस्थित थे।

अपने प्रमुख वक्तव्य मे दादी जानकीजी ने प्रभुप्रेम से सराबोर मन को छू लेनेवाला प्रबोधन प्रस्तुत किया। उन्होने सरल शब्दों मे ओमशांति का अर्थ समझाया कि मैं कौन मैं आत्मा? मेरा कौन? मेरा परमात्मा, मै आत्मा कहने से आत्मा में लाइट, मेरा परमात्मा कहने से माईट और उससे एव्हरीथिंग इज आलराईट हो जाएंगा। उन्होंने साधारण भोजन की बजाए ब्रह्माभोजन खाने और ब्रह्मा समान सोचने, ब्रह्मा समान बोलने, ब्रह्मा समान व्यवहार करने का सरल मंत्र उपस्थितो को दिया। प्रमुख अतिथि के रुप में उपस्थित केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरीजी ने जामठा के भव्यतम भवन विश्वशांति सरोवर की प्रशंसा

करते हुए कहा कि यह सभी मानव के अंदर आध्यात्मिकता और श्रेष्ठ संस्कार जगाने में कारगर सिध्द होगा। ब्रह्माकुमारी जीवन जीने का मार्ग बताया है और जीवन का मार्ग बदलता है। इस आध्यात्मिक मार्ग व्दारा ही संस्कार परीवर्तन होगा। अपने साथ दुसरों को बदलना यह ब्रह्माकुमारीज के काम की प्रशंसा की। भ्राता श्री विजय दर्डा जी ने विश्वशांति सरोवर से निकला विश्वशांति का संदेश सारे विश्व में फैलेगा। उन्होंने ब्रह्माकुमारीज के सेवा कार्य की प्रशंसा कर अपनी शुभकामनाएं दी। शिकागो सम्मेलन से आयी ब्रह्माकुमारी उषा दीदी ने कहा कि हिंदू संस्कृति है यह सभी मानते हैं। धर्म कौनसा है? और सभी मानते की धर्म सनातन है फिर सनातन धर्म क्या है? तो उन्होंने समझाया कि सनातन धर्म है आदि सनातन देवीदेवता धर्म जिसमें पवित्रता मुख्य है। जरीपटका सेवा केंद्र के छोटे बच्चो व्दारा सुंदर सिंधी नृत्य प्रस्तुत किया गया। भ्राता शिवलालभाई ने सुंदर गीतो की पॅरोडी प्रस्तुत की। कार्यक्रम के आरंभ में जादुगर श्री प्रशांत भावसार ने जादु के प्रयोग से हार और गुलदस्ते बनाकर दादीजी का स्वागत किया। ब्रह्माकुमार युगरतन भाई ने सुंदर गीतों का प्रस्तुतिकरण किया। मंच संचालन कामठी सेवा केंद्र की ब्रह्माकुमारी प्रेमलता दीदी जी ने किया। अलग अलग संस्थाओं की ओर से शॉल, श्रीफल और स्मृती चिन्ह दिया गया। जैदसे भारतीय सिंधी सभा, जेष्ठ मित्र मंडल, विदर्भ सिंधी विकास परिषद, नाग विदर्भ सिंधी पंचायत, सिंधू मुक्ती संगटन, जनता हॉस्पिटल, जरीपटका, प्रमिला मथरानी, कार्पोरेटर, रिलांयन्स पॉवर आदी ने दादीजी को सम्मानित किया। आभार प्रदर्शन ब्रह्माकुमार भ्राता प्रेमप्रकाश भाई ने किया।

इस प्रसंग में विश्वशांती सरोवर में अपनी उपस्थिती दर्ज कराने ब्रह्माकुमार–कुमारीयों का जनसैलाब उमड पडा था। जामठा स्टेडीयम से संदेश सिटी और संदेश सिटी से विश्वशांती सरोवर तक श्वेत वस्त्र धारीयों का हुजुम बडे पैमाने पर नजर आ रहा था। सडक किनारे कारो की कतार दिखाई दे रही थी । विश्वशांती सरोवर खचाखच भरा था। विश्व शांती सरोवर का भव्य ऑडिटोरियम दुल्हन की तरह सजाया गया था। बरबस आकर्षित कर रहा था। सडक किनारे कारो की कतार दिखाई दे रही थी । सभी प्रकार के वाहनो से सभी प्रकार के वाहनो से पार्किंग परिसर भरा था। भोजन कि व्यवस्था विशाल डोम स्थापित करके की गयी थी।